हिन्दी दैनिक

RNI-BIHHIN/2012/43368

नवशक्ति

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष: 14, अंक: 17 | पटना, बुधवार, 05 मार्च, 2025 | पृष्ठ,: 8 मूल्य: दो रुपये

बिहार प्रदेश परिषद की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल की ताजपोशी, 'भारत माता की जय' से गूंजा बापू सभागार

- केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में बैठक में पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की डॉ. दिलीप जायसवाल के अध्यक्ष बनने की औपचारिक घोषणा
- केंद्रीय मंत्री खट्टर ने जताया विश्वास, संगठन का कार्य सुचारू रूप से करेंगे
- केंद्रीय मंत्री ने कार्यकताओं से किया आह्वान, अभी से इस साल होने वाले चुनाव में जुड़ जाएं, फिर से एनडीए की बनेगी सरकार
- भाजपा सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित पार्टी, यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं: डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों को दिया वश्वास, कार्यकताओं के लिए कार्यालय और दिल के दरवाजे खुले रहेंगे

पटना। बिहार प्रदेश परिषद की बैठक में आज भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दिलीप जायसवाल के नाम की घोषणा की गई। केंद्रीय मंत्री, परिषद के प्रभारी और पर्यवेक्षक बनकर पटना पहुंचे मनोहर लाल खट्टर ने उनकी ताजपोशी की घोषणा की। पटना के बापू सभागार में आयोजित प्रदेश परिषद की बैठक में इसकी घोषणा करते हुए खट्टर ने कहा कि पार्टी की परंपरा रही है कि तीन साल में संगठन का नए सिरे से गठन किया जाता है। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। पार्टी का राष्ट्रीय पर्व चल रहा है। इसमें मंडल, जिला, प्रदेश समिति होती है। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सांसद राधा मोहन सिंह, रविशंकर प्रसाद और संजय जायसवाल समेत पार्टी के तमाम बड़े चेहरे शामिल हुए। साथ ही, प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बिहार में सांगठनिक रूप से 52 जिले हैं, जिनमें से 40 जिलों में इसकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पार्टी के चुनाव प्रभारी राजेश वर्मा के सामने सोमवार को ही दिलीप जायसवाल ने नामांकन पत्र भरा था। इनकी प्रस्तावना सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंगल पांडेय, रामप्रीत पासवान, ब्रज किशोर बिंद, ज्ञानचंद मांझी, केदार गुप्ता, रणधीर सिंह, रामसूरत राय और जगदीश राम ने की है। इसका अनुमोदन पूर्व विधायक बेबी रानी रजक ने किया। उन्होंने आगे दिलीप जायसवाल को नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नाम घोषित किया। इसके साथ पूरा सभागार भारत माता की जय से गूंज गया। उन्होंने विश्वास जताया कि वे संगठन का कार्य सुचारू रूप से करेंगे। इससे पहले प्रदेश परिषद की बैठक का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि वे 48 सालों से संगठन का काम कर रहे हैं। उनके जीवन में गंगा और बिहार का काफी प्रभाव है। 1975 में दिल्ली में उन्होंने जय प्रकाश नारायण का भाषण सुना था और समझ सके थे कि लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल थोप दिया गया है। उसी समय मैंने राष्ट्र सेवा करने को सोचा था। उसके बाद 1977 में प्रयागराज में आयोजित एक सम्मेलन में देश और समाज की सेवा का प्रण लिया और इस कार्य में लग गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा के इतिहास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जब जनसंघ की स्थापना हुई थी तब सत्ता लक्ष्य नहीं था। इसके बाद कार्यकर्ताओं की मेहनत से 1996 में भाजपा सत्ता तक पहुंच गई। उस समय कांग्रेस ने सत्ता को भोगने की वस्तु बना चुकी थी और भाजपा ने इसमें बदलाव किया। भाजपा ने सत्ता को सेवा बनाया। जनसंघ का लक्ष्य देश और समाज की सेवा थी और भाजपा आज भी उसी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में स्वार्थ को समाप्त करने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस साल बिहार में चुनाव होने हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि अभी से ही चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। इस दौरान उन्होंने जातिवाद की राजनीति को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि इस वोटबैंक की राजनीति में अच्छे-बुरे की पहचान हम खो देते हैं। उन्होंने इस क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की भी चर्चा करते हुए कहा कि उनकी जाति वोट बैंक नहीं थी, फिर भी प्रधानमंत्री ने भारत रत्न दिया। इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि परिषद के प्रभारी और पर्यवेक्षक खट्टर, प्रदेश भाजपा प्रभारी और सह प्रभारी सहित उपस्थित सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा कि हमें ऐसा संगठन बनाना है जो चट्टानी एकता की ताकत दिखाए। उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि बूथ स्तर के संगठन को मुख्यधारा से जोड़कर विशाल संगठन तैयार होगा जो संगठन को और मजबूत करेगा।

भाजपा समर्थ राष्ट्र बनाने को लेकर कृतसंकल्पित है। भाजपा सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित पार्टी है, यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता देश की दूसरी सेना है। एक सेना अगर सीमा पर देश की रक्षा करती है तो भाजपा के कार्यकर्ता देश के भीतर देश की विचारधारा और संस्कृति को जीवित रखने का कार्य करती है। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि वे कार्यकताओं को सम्मान देने का काम करेंगे।

उन्होंने भाजपा के वर्तमान पदाधिकारियों को थल सेना, निवर्तमान को जल सेना और भूतपूर्व को वायु सेना की तरह बताते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता हर वक्त राष्ट्र सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा, 'सफर का नया सिलसिला बना है, आसमान तक भी रास्ता बनाना है'। उन्होंने कहा कि हम आगे बढ़ेंगे। भाजपा कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि उठो जागो और देश की सेवा में लगो, देश की संस्कृति की रक्षा के लिए आगे आओ।

इस बैठक में मंच संचालन प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सिद्धार्थ शंभु ने किया। इस बैठक में सांसद, विधायक, विधान पार्षद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, सभी प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, किसी को मियां-तियां या पाकिस्तानी कहना गलत, लेकिन अपराध नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि मियां-तियां या पाकिस्तानी जैसे शब्दों का इस्तेमाल गलत हो सकता है। लेकिन यह कोई आपराधिक अपराध नहीं है। यह फैसला ऐसी टिप्पणी करने के आरोपी 80 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करते हुए आया। न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता पर मुखबिर को 'मियां-तियां' और 'पाकिस्तानी' कहकर उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। निस्संदेह, दिए गए बयान खराब स्वाद वाले हैं। हालाँकि, यह मुखबिर की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के समान नहीं है।

यह मामला उर्दू अनुवादक और कार्यवाहक क्लर्क (सूचना का अधिकार) मोहम्मद शमीम उद्दीन की शिकायत के आधार पर झारखंड के बोकारो में दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) से उत्पन्न हुआ है। शिकायत के अनुसार, 80 वर्षीय व्यक्ति हरि नंदन सिंह ने कथित तौर पर सांप्रदायिक अपशब्दों का उपयोग करके शिकायतकर्ता का अपमान किया और उसके खिलाफ आपराधिक बल का प्रयोग किया, जबकि वह अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन कर रहा था। इस घटना के कारण आईपीसी की धारा 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 353 (लोक सेवक को ड्यूटी से रोकने के लिए हमला करना) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच पूरी होने पर, पुलिस ने आरोप पत्र दायर किया और मजिस्ट्रेट ने जुलाई 2021 में एक आदेश द्वारा अपराधों का संज्ञान लिया और आरोपियों को तलब किया। इसके बाद सिंह ने आरोपमुक्त करने के लिए एक आवेदन दायर किया, जिसे मजिस्ट्रेट ने 24 मार्च, 2022 को आंशिक रूप से अनुमति दे दी, और उन्हें धारा 323 के तहत अपराधों से मुक्त कर दिया, लेकिन धारा 298, 353 और 504 के तहत आरोप बरकरार रखे।

विकसित बिहार के लिए समर्पित बजट को पचा नहीं पा रहा है विपक्ष: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना। बिहार जद (यू0) के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर विपक्ष को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लूट-खसोट की मानसिकता से ग्रसित विपक्ष ह्यविकसित बिहारह्ण के लिए समर्पित सर्व-समावेशी बजट को पचा नहीं पा रहा है। 15 वर्षों तक सत्ता में रहते हुए बिहार को बेहाल, बदहाल और बीमारू बनाने वाले को बजट पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान बजट पर बेतुके और अनर्गल प्रश्नचिन्ह खड़े करने के बजाए राजद को अपने 15 वर्षों के बजट का लेखा-जोखा भी जनता के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। जिससे सबकुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी नकामियों को छिपाने के लिए जनता की आँखों में धूल झोंकना, झूठ बोलना और दुष्प्रचार करना राजद की पुरानी कार्य-संस्कृति रही है, जिसे अब प्रदेश की जनता भी समझ चुकी है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि परिवार हित वाली राजनीति में सिकुड़ी राष्ट्रीय जनता दल को बिहार हित से कभी कोई वास्ता नहीं रहा है।

लालू परिवार की प्राथमिकता केवल स्वयं की तरक्की और विकास तक सीमित है। जबकि हमारे नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार समूचे बिहारवासियों को अपना परिवार मानकर लोक-कल्याण की दिशा में निरंतर कार्य करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 बजट की महत्ता का पता इसी बात से चलता है कि वर्ष 2005-06 में पूरे बिहार का बजट महज 23 हजार करोड़ रुपये का था लेकिन सोमवार को पेश हुए बजट में केवल शिक्षा के लिए 60 हजार करोड़ से अधिक की राशि तय की गई है। उन्होंने कहा कि चरवाहा विद्यालय की सोच से प्रेरित राजद नेताओं को बजट पर अनावश्यक ज्ञान बांचने से बचना चाहिए। श्री कुशवाहा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में समाज के सभी तबकों का समुचित ख्याल रखा गया है। बजट का प्रारूप विकसित बिहार के प्रति मजबूत संकल्प को दशार्ता है।

पटना भाजपा कार्यालय में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का स्वागत करते कहलगांव के भाजपा विधायक पवन यादव।

जिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का वार्षिक महोत्सव का आयोजन

पटना। राज्य शिक्षा शोध प्रशिक्षण परिषद् (एससीई आरटी) द्वारा जिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के वार्षिक मोहत्सव का आयोजन मंत्रा सोशल सर्विस के सहयोग से परिषद् के प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम के तहत बिहार के सभी 33 डायट द्वारा जिला स्तर पर विद्यालयों के शैक्षणिक अनुसमर्थन हेतु आवश्यकता के अनुरूप प्रासंगिक डिजीटल कार्यक्रम का निर्माण, संचालन एवं अनुश्रवण किया जा रहा है। राज्य में जिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की सफलता में सभी डायट के प्राचार्य, दीक्षा प्रतिनिधि (व्याख्याता), जिला तकनीकी टीम के सदस्य एवं स्वयंसेवी संस्था के सदस्यों की अहम भूमिका रही है। डायट के प्रयासों को राज्य स्तर पर साझा करने के लिए एवं प्रोत्साहन हेतु उपलब्धि प्रदर्शनी-सह-सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त निदेशक एससीईआरटी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र देकर किया गया। स्वागत संबोधन में एससीईआरटी की व्याख्याता श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा आज के कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का अभिनन्दन किया गया तथा कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान डायट द्वारा किए गए सफल प्रयासों की संक्षिप्त चर्चा की गई। गत शैक्षणिक सत्र के दौरान दो चरणों में सभी डायट द्वारा अपने-अपने जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु कुल 66 कोर्स एवं 61 कोर्स आधारित माइक्रो इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट का निर्माण तथा संचालन किया गया है।

राज्य स्तरीय इस ह्लउपलब्धि प्रदर्शनीह्व में डायट द्वारा अपने-अपने जिला को शैक्षिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया गया। इस अवसर पर सभी डायट एक साथ आकर अपनी सफलताओं का जश्न मनाया तथा अपने अनुभवों को साझा किया। राज्य की टीम के सहयोग से उ्रऋएळ पिछले दो वर्षों से शिक्षकों की क्षमता विकास के लिए ऑनलाइन कोर्स तैयार कर रहा है। इस पहल के माध्यम से उ्रऋएळ संकाय की तकनीकी क्षमता में वृद्धि हुई है, शिक्षकों की भागीदारी में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 तक हमें इस कार्यक्रम को और अधिक उन्नत स्तर पर ले जाना होगा। इसके लिए प्राथमिक विद्यालयों को ठक्ढवठ मानकों के अनुरूप विकसित करने पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, शिक्षकों की क्षमता विकास को और मजबूत करने के लिए डिजिटल कोर्सेज और प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता में और सुधार लाने का प्रयास करना होगा।

फणीश्वरनाथ रेणु के साहित्य में अंचल की व्यथा ही नही क्रांति के स्वर भी

पटना। महान कथा-शिल्पी फणीश्वर नाथ रेणु के साहित्य में ग्राम्य-अंचल की व्यथा ही नहीं, विद्रोह और क्रांति के भी तप्ततीखे स्वर हैं। वे सीने में अग्नि को पोषित करने वाले, क्रांति-धर्मी कथाकार थे। जीवन भर संघर्ष-शील रहे। उनके हृदय की अग्नि लेखनी के माध्यम से कथाओं में प्रकट हुई। उन्होंने जो कुछ भी लिखा वह भोगे हुए यथार्थ पर आधारित था और जो लिखा उसे जिया भी। यह सच है कि उनके साहित्य में ग्राम्य और आंचलिकता की प्रधानता है। यह बातें मंगलवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में रेणु जी की जयंती के अवसर आयोजित समारोह और लघुकथा-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि महान और अद्भुत प्रतिभा के साहित्यालोचक आचार्य नलिन विलोचन शर्मा ने रेणु के बहुचर्चित उपन्यास 'मैला आँचल' को, हिन्दी का 'श्रेष्ठतम आँचलिक उपन्यास' माना था। नलिन जी की यही टिप्पणी रेणु जी की साहित्यिक यश-धारा की उन्नयन-बिंदु सिद्ध हुई और रेणु जी हिन्दी-संसार में छा गए। देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में ही नहीं, स्वतंत्र भारत में भी वे पीड़ित-मानवता के लिए लड़ते-लिखते रहे। डा सुलभ ने कहा कि, रेणु जी पर नेपाल में हो रही लोकतंत्र की लड़ाई का भी बड़ा असर था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा नेपाल में ही कोइराला परिवार के संरक्षण में हुई थी। भारत में वे स्वतंत्रता आंदोलन तथा बाद में समाजवादी आंदोलन से जुड़े रहे। उन्हें अनेक बार जेल की यातना भी सहनी पड़ी। सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार जियालाल आर्य ने कहा कि रेणु जी संपूर्णक्रांति के पक्षधर थे। अपने साहित्य में उन्होंने इस दर्शन को रखने की चेष्टा की। भारतीय ग्राम्य-जीवन का उन्होंने जीवंत

चित्रण किया। उनके पात्र सजीव थे। उनके साहित्य को ठीक से पढ़ा जाना चाहिए। अधिकांश लोग उनके साहित्य पर सुनी-सुनायी बातें करते हैं।

अतिथियों का स्वागत करती हुईं सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा ने कहा कि रेणु जी को नारी-मन की गहरी पकड़ थी। उन्होंने अपने साहित्य में स्त्रियों की मनोदशा का अत्यंत सुंदर और मार्मिक चित्रण किया है। वे आंदोलनकारी थे। जय प्रकाश आंदोलन में भी उनकी बड़ी भूमिका थी। चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से आरंभ हुए इस समारोह में डा मेहता नगेंद्र सिंह, कुमार अनुपम, ईं अशोक कुमार, सुधा पाण्डेय, डा पुष्पा जमुआर, डा अलका वर्मा, डा मीना कुमारी परिहार, सूर्य प्रकाश उपाध्याय आदि ने भी अपने विचारों में रेणु जी के व्यक्तित्व और कृतित्त्व को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा गोष्ठी में, डा पूनम आनंद ने 'तृप्ति', डा पुष्पा जमुआर ने 'अनाथ', डा नीलू अग्रवाल ने 'काले घर', उत्तरा सिंह ने 'यादें', सुधा पाण्डेय ने 'जज्बात', डा अलका वर्मा ने 'मैं ऋणी हूँ', डा पूनम देवा ने 'कीमत', डा मेहता नगेंद्र ने 'होलिका-दहन', कुमार अनुपम ने 'कुफ्र टूटा' , डा मीना कुमारी परिहार ने 'बल' तथा अशोक कुमार ने 'पाश्विकता' शीर्षक से लघुकथा का पाठ किया। मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंध मंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

प्रो राम ईश्वर पंडित, डा प्रेम प्रकाश, प्रमोद आर्य, अरुण कुमार वर्णवाल, अनुभा गुप्ता, नन्दन कुमार मीत, कुमारी मेनका, कुमारी डौली, पत्रकार विजय कुमार सिंह समेत अनेक साहित्य सेवी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

छलावे में नहीं, आत्मविश्वास में रहें महिलाएं: वंदना कुमारी

पटना। महिलाएं आत्मविश्वास से समाज में बढ़े और स्वतन्त्र होकर निर्णय लें। जन सुराज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। ये बातें कुम्हरार विधानसभा से जन सुराज की दावेदार प्रत्याशी वंदना कुमारी ने हनुमान नगर एमआईजी में जन सुराज शक्ति संवाद में कही। वंदना कुमारी के लीडरशिप में शक्ति संवाद का आयोजन किया गया। वंदना कुमारी ने महिलाओं को आगाह किया किसी दल के द्वारा चंद पैसे दे देने से महिलाओं की जिंदगी नहीं बदलेगी। बल्कि वे आत्म विश्वास से ही सशक्त होंगी। जन सुराज के शक्ति संवाद के आयोजन में हर महिला को आत्म विश्वास से काम करना चाहिए। जनसुराज शक्ति संवाद में वंदना कुमारी ने घर घर जन सुराज के विजन को पहुंचाने का विजन शेयर किया। कुम्हरार

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्ड क्षेत्र की महिलाओ ने सक्रिय भागीदारी की। बैठक का मकसद जन सुराज पार्टी के कोर एजेंडा के बारे में विस्तार से बताना और इसके साथ कुम्हरार क्षेत्र की महिलाओं को व्यापक रूप से जोड़ना भी रहा। वंदना कुमारी ने घर घर जन सुराज के विजन को पहुंचाने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। वंदना कुमारी ने कहा महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। उन्हें अपनी शक्ति पहचाननी होगी। उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त होना होगा। जन सुराज के एजेंडे में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सस्ता ऋण देने का भी संकल्प है। जन सुराज के विजन साझा करने के उपरांत लोगों के सवाल व सुझाव भी शामिल किए गए। ₹जन सुराज आयेगा पांच चीज हो जायेगा₹ का पैंपलेट, जन सुराज स्टीकर और कैलेंडर भी बैठक में शामिल सभी लोगों के बीच वितरित किया गया। अंत में जन सुराज के कई नए सदस्यों को भी जोड़ा गया और सभी महिलाओं को होली की शुभकामनाएं दी गई। मंच संचालन बिन्दु किशोरी और सरिता देवी ने किया। शक्ति संवाद में शामिल महिलाओं में वंदना कुमारी, मुन्नी पांडेय, संगीता देवी, रेखा देवी, सुमित्रा देवी, बबीता, मनोरमा देवी, शांति देवी समेत अन्य गणमान्य शामिल रहे।

बिहार बजट 2025-26 से होगा प्रदेश का समग्र विकास: अभाविप

पटना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिहार बजट 2025-26 का स्वागत करती है। इस बार बिहार का कुल बजट 3.17 लाख करोड़ का है जो पहली बार 3 लाख करोड़ से अधिक का रहा। इस बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए सबसे ज्यादा 60, 964 करोड़ और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 20,335 करोड़ का महत्वपूर्ण आवंटन किया गया है। सरकार द्वारा इन प्रमुख क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने से समग्र और व्यापक विकास को गति मिलेगी। बिहार की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के साथ-साथ समावेशी करने के उद्देश्य से सरकार ने कई दूरदर्शी और निर्णायक उपाय किए हैं । स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए 1000 करोड़, एससी एसटी छात्रावास अनुदान को 1000 से बढ़ाकर 2000 रू, 358 प्रखंडों में जहां डिग्री कॉलेज नहीं है वहाँ चरणबद्ध तरीके से डिग्री कॉलेज खोले जाने की घोषणा, छात्रवृत्ति को दोगुना करना सराहनीय है।

अभाविप, दक्षिण बिहार बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को दी गई प्राथमिकता की भी सराहना करती है जिसके लिए 20,335 रू करोड का बजट आवंटन किया गया है। बेगूसराय में कैंसर अस्पताल का निर्माण, सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने, 108 शहरी स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, कई सरकारी अस्पतालों में बेडों की संख्या बढ़ाना जैसे कदम से बिहार के गरीब लोगों को स्वास्थ्य सुविधा में बढ़ोतरी होगी। बिहार बजट में रोजगारयुक्त निवेश पर सरकार का ध्यान, कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छात्रावास की स्थापना, साइबर अटैक से बचाने के लिए डेटा सेंटर, सभी प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम, शहरों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट एवं पिंक बस का प्रावधान, बिहार की लोक कला एवं संस्कृति के प्रसार के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्वों एवं त्योहारों का आयोजन, नये एयरपोर्ट्स का निर्माण, सड़क बनाने पर विशेष ध्यान यह दशार्ता है कि सरकार बदलते परिवेश में सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए समग्र विकास की नीति बनायी है।अभाविप दक्षिण बिहार के प्रांत अध्यक्ष डॉ बिनीत लाल ने कहा कि राज्य सरकार बढ़े हुए बजट का उपयोग राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए करे। प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा को बेहतर करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सही क्रियान्वयन के लिए शिक्षा में आवंटित का बेहतर तरीके से उपयोग होना चाहिए।अभाविप दक्षिण बिहार के प्रांत मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा, बिहार बजट में सरकार ने युवा, महिला, किसान, अनुसूचित जाति और जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए विभिन्न प्रकार की घोषणाएं की हैं।

सीयूएसबी के सोशियोलॉजिकल स्टडीज विभाग के रिकॉर्ड 17 छात्र यूजीसी नेट - जेआरएफ परीक्षा में सफल

पटना। पिछले सप्ताह एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) द्वारा जारी यूजीसी नेट - जेआरएफ दिसंबर 2024 परीक्षा के रिजल्ट में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को व्यापक कामयाबी मिली है ` सीयूएसबी के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने छात्रों को मिली कामयाबी पर बधाई देते हुए विभिन्न स्कूलों एवं विभागों के प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन की सराहना की है। जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा के साथ - साथ विभिन्न स्कूलों के डीन, विभागों के अध्यक्षों एवं प्राध्यापकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं

डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल स्टडीज से 11 (ग्यारह) छात्रों ने यूजीसी - नेट दिसंबर 2024 के तीन श्रेणियों में परीक्षा उत्तीर्ण की। पॉलिटिकल स्टडीज विभाग के तीन छात्रों क्रमशः निशांत कुमार, शिवम कुमार और वर्षा भारद्वाज - ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं पांच छात्रों - अंजलि कुमारी, अंकेश कुमार, कुमारी शुभांगी, सौम्या तोमर और सायमा जावेद ने यूजीसी - नेट (असिस्टेंट प्रोफेसर तथा पीएचडी में एडमिशन) के लिए अर्हता प्राप्त की। इसके अलावा, तीन छात्रों - नीतीश कुमार, रौशन कुमार और रूपाली मिश्रा ने केवल पीएचडी में एडमिशन के लिया योग्यता प्राप्त की है। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी के डीन प्रो. प्रणव कुमार (विभागाध्यक्ष पॉलिटिकल स्टडीज) के साथ - साथ विभाग के अन्य प्राध्यापकों प्रो. प्रवीण कुमार, डॉ. अभय कुमार, डॉ. अंजू हेलेन बारा, डॉ. सुमित कुमार पाठक और डॉ. पवन कुमार सिंह ने सफल छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

वहीं भारतीय भाषा विभाग के छात्र शिवम् कुमार ने पीएचडी में एडमिशन के लिए अर्हता प्राप्त की हैं सोशियोलॉजिकल स्टडीज विभाग के रिकॉर्ड 17 छात्रों ने यूजीसी-नेट के लिए अर्हता प्राप्त की है। यूजीसी-जेआरएफ के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों में अंशुमाली कुमार मिश्रा तथा साइप्रियन मिंज शामिल हैं` यूजीसी-नेट (असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीएचडी) के लिए अभिषेक कुमार वर्मा, दीपाली कुमारी, शिवम कुमार, वेदिका नंदन, साक्षी प्रिया और अविनाश कुमार, त्रिशा आर्य, समृद्धि झा एवं दीपांजलि ने क्वालीफाई किया हैं पीएचडी प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्र क्रमशः मनीषा, अविनाश, आलिया अरफिन, कृष्णा बोरा एवं प्रेरणा गौतम हैं। विभाग के संकाय सदस्य, प्रो. एम. विजय कुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष), प्रो. अनिल कुमार सिंह झा, डॉ. सनत कुमार शर्मा, डॉ. समापिका महापात्रा, डॉ. जितेंद्र राम, डॉ. हरेश नारायण पांडेय, डॉ. पारिजात प्रधान, डॉ. प्रिया रंजन, डॉ. आदित्य मोहंती, डॉ. मोहम्मद अहमदुल कबीर एपी ने छात्रों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

नियमित वेतन भुगतान की मांग को लेकर संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मी कुलपति के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे : फैक्टनेब

पटना। वेतन संरचना निर्धारित कर प्रतिमाह वेतन भुगतान करने, बकाया अनुदान राशि का बजटीय उपबंध कर एकमुश्त भुगतान करने , बिहार सरकार की संकल्प का अनुपालन करते हुए परीक्षा परिणाम आधारित अनुदान राशि स्नातक स्तर के लिए एक करोड़ पच्चास लाख, एवं इण्टर स्तर के लिए पच्चास लाख की बंधेज को समाप्त कर पूर्ण राशि का भुगतान आदि मांगों को लेकर संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी कल गुरुवार को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के अध्यक्ष डॉ शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा, महासचिव प्रो राजीव रंजन एवं मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम ने बताया कि 5 मार्च को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति को अपनी मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपने के पश्चात 5 मार्च से 19 मार्च तक सांसदों, विधायकों, विधान पार्षदों , पत्रकारों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं आदि से संपर्क अभियान चलाकर मांगों का समर्थन करने का अपील किया जाएगा। फैक्टनेब मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम ने कहा कि शिक्षा मंत्री द्वारा विधानमंडल में की गई घोषणा अर्थहीन है, इसके पहले भी इस तरह की घोषणा और आश्वासन शिक्षा मंत्री कई बार कर चुके हैं, परन्तु अनुदानित शिक्षाकर्मियों के लिए अभी तक कुछ भी बेहतर करने में सक्षम साबित नहीं हो सकें हैं। सरकार को इधर उधर की घोषणा छोड़ कर प्रतिमाह वेतन भुगतान की निर्णय लेना चाहिए। फैक्टनेब नेताओं ने राज्य सरकार को आगाह किया है कि सरकार हमें अनुदान के बदले प्रतिमाह वेतन भुगतान का निर्णय लें अन्यथा संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मी 20 मार्च को विधानमंडल का घेराव करते हुए अनिश्चितकालीन धरना पर बैठेंगें ।

नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को मंत्री डा.प्रेम कुमार ने दिया बधाई

पटना , (संवाददाता)। भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर चलने वाली संगठन चुनाव की प्रक्रिया का एक हिस्सा है, आज का प्रदेश अध्यक्ष का चयन। हम लोकतांत्रिक पार्टी के सदस्य हैं। भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है।

जहां बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी अपने बेहतर कार्य क्षमता के बल पर प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करते है। संगठन का उद्देश्य सेवा है।सेवा के दृष्टिकोण से चाहे पार्टी की हो, चाहे देश की हो या फिर जनता की हो सेवा ही भाजपा का धर्म है। संगठन का मूल मंत्र है। नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन पर मुझे अपार खुशी है। इनके नेतृत्व में भाजपा एक नई ऊंचाई को छूएगा। भाजपा के नीति और कार्य द्वारा केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचने में संगठन का बड़ा महत्व है। प्रदेश अध्यक्ष अपने पन्ना प्रमुख से लेकर प्रदेश टीम के नेतृत्व से पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे और आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी को प्रचंड बहुमत से जीत दिला कर 225 सीटों से दो तिहाई बहुमत वाली सरकार पुनः बिहार में बनाएंगे। आशा है, विश्वास है कि आपके नेतृत्व में संगठन एक नए आयाम को प्राप्त करेगा। नए लक्षण के प्राप्ति करेगी।

जल-जीवन-हरियाली दिवस : अक्षय ऊर्जा पर अपनी निर्भरता बढ़ाने की जरूरत: पंकज कुमार पाल

पटना। जल-जीवन-हरियाली दिवस के अवसर पर पटना के विद्युत भवन में ह्यसौर ऊर्जा उपयोग का प्रोत्साहन एवं ऊर्जा की बचतह्न विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा को संबोधित करते हुए ऊर्जा विभाग के सचिव सह बीएसपीएचसीएल के सीएमडी श्री पंकज कुमार पाल ने कहा कि पारंपरिक जीवाश्म ऊर्जा से इतर अक्षय ऊर्जा के विकास की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज बिहार में कुल पीक डिमांड 8005 मेगावाट में 23 फीसदी बिजली हम अक्षय ऊर्जा से प्राप्त कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि रिन्यूएबल एनर्जी पर अपनी निर्भरता को और बढ़ाया जाए। श्री पाल ने जोर देते हुए कहा कि हरित ऊर्जा के क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में हमारी प्रगति काफी अच्छी रही है। सरकारी एवं निजी भवनों में निरंतर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं। अब तक 11 हजार से अधिक सरकारी भवनों में 100 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। ह्यनीचे मछली और ऊपर बिजलीह्न जैसी अवधारणा को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारा गया है। इसके अंतर्गत दरभंगा में 1.6 मेगावाट और सुपौल में 525 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादित की जा रही है। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत विभिन्न जिलों में किए गए जल संचयन पर भी इस मॉडल को और विकसित करने की जरूरत है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा के विकास की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। लखीसराय के कजरा में देश की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा आधारित बैटरी स्टोरेज सिस्टम स्थापित की जा रही है। इसका प्रथम चरण जुलाई 2025 में पूरा कर लिया जाएगा। कजरा में कुल 301 मेगावाट व 495 मेगावाट आवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत प्रत्येक पंचायत के हर वार्ड में 10 सोलर लाइट लगाए जा रहे हैं, जिसमें अब तक कुल 5.50 लाख से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइट लगाए जा चुके हैं। ग्राउंड माउंटेड सोलर संयंत्रों, ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता कोड, इको निवास संहिता भी अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसी प्रकार से चीनी मिलों में बगैस से 40 मेगावाट ऊर्जा उत्पादित की जा रही है। श्री पाल ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को रोकना, पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करना, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधन के स्थान पर अक्षय ऊर्जा तथा सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर हम आगे बढ़ रहे हैं। श्री पंकज कुमार पाल ने आगे कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ताओं को ऊर्जा का सही इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करना है। अक्सर देखा जाता है कि लोग एयर कंडिशनर और लाइट को ऑन करके छोड़ देते हैं। उन्हें ऊर्जा की बचत करने के लिए सचेत करना होगा।

प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार साधा निशाना

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर करारा हमला बोला है। उन्होंने नीतीश कुमार के बार-बार राजनीतिक पाला बदलने और सत्ता से चिपके रहने की मानसिकता पर कटाक्ष किया और कहा कि नीतीश चाचा का हाल कुछ ऐसा है कि शरीर थक गया है, दिमाग काम नहीं कर रहा लेकिन कुर्सी नहीं जाना चाहिए। मोदी जी कुर्सी दे तो ठीक है नहीं तो लालटेन से ही अपना काम चलाएंगे क्यों कि चाचा को किसी भी तरह से कुर्सी चाहिए। इस विधानसभा चुनाव में सभी लोगों को संकल्प लेना है कि चाचा को ऐसा साफ करेंगे झ ऐसा पोछा लगाएंगे कि चाचा न तो लालटेन पर लटक पाएंगे और न ही कमल पर बैठ पाएंगे। आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि जितना भी जदयू वाला सीट है, वहां खाता नहीं खुलना चाहिए अगर जदयू को एक भी सीट मिल गई तो चाचा कहीं न कहीं लटक ही जाएंगे। अगर जनता तीर पर बटन दबाती है तो अगले 5 वर्ष तक तीर बहुत चुभेगा।

विधान परिषद् में मंत्री एवं सदस्यों के बीच नोंक झोंक

पटना , (संवाददाता)। बिहार विधान परिषद् के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही टोका टोकी के बीच शुरू हुआ लेकिन सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चला। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा काफी नोंक झोंक हुआ । राजद के मो कारी सोहेब के बीच नोंक झोंक चला। वहीं महेश्वर सिंह के तारांकित प्रश्न के उत्तर में मंत्री पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह के उत्तर में काफी नोंक झोंक हुआ। पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में नल-जल योजना के तहत 90 प्रतिशत शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही है राज्य में 2047 तक चापाकल मुक्त कर शुद्ध पेयजल नल-जल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।जबकि प्रश्नकर्ता महेश्वर सिंह ने कहा कि नल-जल योजना के तहत 70 से 80 प्रतिशत खराब है इस पर दावे करते हुए कहा कि अगर नल-जल योजना 50 सहीं होगा तो सदन से इस्तीफा कर दुंगा आपस में काफी नोंक झोंक हुआ। इसपर मंत्री ने कहा कि अगर 50 नल-जल खराब हुआ होगा तो इसकी जांच कराएंगे।

मंत्री के सहयोग मंत्री अशोक चौधरी खड़ा हो गये और 15 वर्ष वाली शासन की याद दिलाया।बीच में टोकते हुए अब्दुल बारी सिद्दीकी ने अपने आसन पर खडा हो कर कहा कि मंत्री जी कह रहे हैं कि काम हुआ है सदन के सदस्य कह रहे हैं कि काम नहीं हुआ है तो इसकी जांच सदन की कमेटी से जांच कराई जाए। मंत्री के बीच बचाव में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में नल-जल योजना की शुरूआत की गई थी अगर नल-जल नहीं होता तों पानी पीने से लोग तरस जाते।

बिहार का 2025 - 26 का बजट संघर्षरत किसानों व खेत मजदूरों के लिए निराशाजनक व कारपोरेट पक्षी है

पटना। अखिल भारतीय किसान महासभा के बिहार राज्य सचिव उमेश सिंह ने कल बिहार विधानसभा में पेस 2025 - 26 के बजट को संघर्षरत किसानों व खेत मजदूरों के लिए घनघोर निराशाजनक व कारपोरेट पक्षी बताया है। उन्होंने बिहार के संघर्षरत किसानों व संघर्षशील अन्य तबकों की लोकप्रिय मांगों को अनसुनी करने वाले इस बजट के खिलाफ भाकपा माले द्वारा आहूत तीन दिवसीय 5 - 6 - 7 मार्च 2025 राज्यव्यापी प्रतिवाद कार्यक्रम में किसानों व खेत मजदूरों से बड़े पैमाने पर भागीदारी करने की अपील किया है।

उन्होंने कहा कि बिहार के किसानों की सबसे लोकप्रिय मांग ए पी एम सी एक्ट को पुनर्बहाल करना व कृषि मंडियों को चालू करने का कही कोई जिक्र नहीं है। इसके बिना बिहार के किसान मुनाफाखोर व्यापारियों के चंगुल में फंसे हैं। यह बजट सिंचाई जो कृषि कार्य का मुख्य हिस्सा है जिसके बिना कृषि संभव नहीं है को भी संबोधित नहीं करता है। किसानों के चिरप्रतीक्षित मांग कदवन डैम(इंद्रपुरी जलाशय) की मांग का कोई जिक्र नहीं करता है ।सोन - गंडक - कोशी नहरों के आधुनिकीकरण करने का भी कोई प्रस्ताव इस बजट में नहीं है। बिहार के लगभग सभी 8300 सरकारी नलकूप बंद पड़े है जिसे जीर्णोद्धार करने का भी जिक्र नहीं है।

उन्होंने कहा कि बजट में सिंचाई हेतु बहुत छोटी राशि जल संसाधन विभाग में 6060.61

करोड़ और लघु जल संसाधन में 1623.87करोड़ ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। सिंचाई के बिना खेती संभव नहीं है और बिहार के पास विकास के लिए खेती के अलावा और कोई संसाधन नहीं है। उस पर तुर्रा यह है कि बिहार की खेती योग्य जमीन धड़ल्ले से सरकारी गैरसरकारी विकास योजनाओं के नाम पर नष्ट किए जा रहे हैं । और खेती का क्षेत्र सिकुड़ता चला जा रहा हैं जो आने वाले समय में बिहार को विनाश व भुखमरी के गर्त में धकेल देगा।

उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश बाबू पिछले बीस वर्षों से सत्ता में हैं और विकास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है जब कि सच्चाई यह है कि बिहार अपने बजट का मात्र 27% राशि ही अपने स्रोत से प्राप्त करता है। जब कि तमिलनाडू 76%,गुजरात 73% यहां तक कि यू पी भी 46% राशि अपने स्रोत से प्राप्त कर लेता है। यदि बिहार को विकसित होना है तब कृषि को विकसित करना होगा। और इसके लिए भूमि सुधार और संपूर्ण खेती को सिंचित करना बाढ़ सुखाड़ से खेती को बचाना और सबसे अधिक खेती खेत की संरक्षा फसल का समुचित मुनाफा का इंतजाम करना होगा।

सभी स्कीम वर्कर को सरकारी सेवक घोषित कर महिलाओं के श्रम का शोषण करना बन्द करे केन्द्र एव राज्य सरकार : ए0 आर0 सिन्धु, राष्ट्रीय सचिव सीटू

पटना। बिहार राज्य आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ/बिहार राज्य ममता कार्यकर्ता संघ/बिहार राज्य वैक्सीन कुरियर संघ का संयुक्त राज्य स्तरीय प्रदर्शन/धरना दिनांक 04 मार्च 2025 को माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय स्वास्थ्य मंत्री, बिहार सरकार के समक्ष आयोजित हुआ। सभा की अध्यक्षता बिहार राज्य आशा एवं आशा फैसिलिटेटर सघ के राज्याध्यक्ष मीरा सिन्हा, बिहार राज्य ममता कार्यकर्ता संघ के मधु कुमारी तथा बिहार राज्य वैक्सीन कुरियर संघ के राज्याध्यक्ष वशिष्ठ प्रसाद सिंह ने किया। सभा का संचालन सीटू के उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह के द्वारा किया गया। समा को सम्बोधित करते हुए सीटू की राष्ट्रीय सचिव ए० आर० सिन्धु ने आशा ममता, वैक्सीन कुरियर मानव की विकास में अहम् भूमिका का जिक्र करते हुए बताया कि गभार्धान से लेकर प्रसव होने तथा टीकाकरण तक के कार्य सम्पादन आशा, उममता, कुरियर के द्वारा किया जाता है। लेकिन भारत की सरकार एवं राज्य सरकार उन्हें सामाजिक कार्यकर्ता का नाम देकर न तो उन्हें सरकारी सेवक का दर्जा देती है, न इन्हें न्यूनतम वैधानिक मजदूरी 26000/- रूपया महीने का भुगतान करती है। उन्होंने भारत सरकार से अविलम्ब आशा. ममता, कुरियर सहित तमाम स्कीम वर्कर को सरकारी कर्मी का दर्जा देने या न्यूनतम 26000 /- रूपया वैधानिक मजदूरी का भुगतान करने की माँग करते हुए सभी स्कीम वर्कर को एकजूट होकर किसान एवं खेतीहर मजदूरों के साथ व्यापक एकता कायम कर बिहार सहित पूरे देश में निर्णायक लड़ाई लडने का आह्वान किया। सभा को सुरेखा राष्ट्रीय सचिव ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आशा वर्कर्स एण्ड फैसिलिटेटर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार जैसे राज्य जहाँ जच्चा-बच्चा मृत्यु दर सर्वाधिक था वहाँ संस्थागत प्रसवतथा जच्चा-बच्चा मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी बिहार के आशा कार्यकताओं के कारण होने के बावजूद सरकार के द्वारा राजस्व में 15 गुणा बढ़ोतरी होने की घोषणा करने के बावजूद वर्ष 2023 में आशा कार्यकताओं के अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान किये गये लिखित समझौते के अनुसार 1000/- रूपया मिलने वाले पारितोषिक राशि को बढ़ाकर 2500/- रुपए मानदेय के रूप में देने संबंधी आदेश का निर्गत नहीं

होना बिहार सरकार के महिला विरोधी चरित्र को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि केरल जैसे राज्य में बिना किसी शर्त के मानदेय का भुगतान किया जाता है। भारत के अन्य राज्य यहाँ तक की उड़िसा जैसे गरीब राज्य में भी बिहार तरकार से ज्यादा राज्यांश से मानदेय का भुगतान आशा कार्यकताओं को किया जाता है। अभी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की बैठक में आशा कार्यकताओं के प्रयास की सराहना करते हुए उन्होंने प्रोत्साहन आधारित भुगतान व्यवस्था को निश्चित वेतन और प्रदर्शन पर आधारित लाभ में बदलने पर बल दिये जाने संबंधी किये गये अनुशंसा का जिक्र करते हुए बताया कि आशा की तरफ से ये खुद राष्ट्रीय मानवाधिकार की बैठक में भाग ली थी।बिहार राज्य आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ के महामंत्री सुधा सुमन/बिहार राज्य वैक्सीन कुरियर संघ के राज्य मंत्री वकील राय/बिहार राज्य ममता कार्यकर्ता संघ के महामंत्री संगीता कुमारी ने सरकार को सौंपे जाने वाले माँग पत्र का पाठ किया। माँग पत्र में आशा, ममता, कुरियर को सरकारी सेवक घोषित करने, 26000/- रूपया न्यूनतम वैधानिक मजदूरी, 65 वर्ष सेवा निवृत की आयु, 10000/- रूपया पेंशन की माँग सहित कुरियर एवं आशा फैसिलिटेटर को 30 दिन का यात्रा भत्ता एवं कार्य की उपलब्धता सहित ठफ्लट का वर्षगांठ मनाने के कारण 15 दिसम्बर 2024 तक आशा एवं आशा फैसिलिटेटर के द्वारा किये गये कार्य के अपलोड करते समय जिन लोगों का फक्क नहीं हुआ था वह अपलोड नहीं किया जा सका जिसके कारण 1000/-रूपया की पारितोषिक राशि एवं फ्छल्ट का 1800/- रूपया सहित आशा फैसिलिटेटर का 04 दिन का बकाया यात्रा भत्ता का भुगतान सहित जिन प्रखण्डों में अभी बकाये पारितोषिक राशि का भुगतान नहीं हुआ है उसको शामिल करना मुख्य माँग थी।सभा को माकपा विधायक दल के नेता अजय कुमार, डी० वाईएफ०आई० के राज्याध्यक्ष मनोज कुमार चन्द्रवंशी, सीटू के महासचिव अनुपम कुमार, एडवा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामपरी बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के महामंत्री सुवेश सिंह सहित आशा, ममता कुरियर के कई राज्य स्तरीय नेताओं ने सम्बोधित किया। अन्त में गगनभेदी नारे के साथ भविष्य में व्यापक एकता कायम कर बड़ी लड़ाई शुरू करने का संकल्प लिया गया।

अररिया ने किशनगंज को 6 विकेट से हराया, राजा बने मैन ऑफ द मैच

अररिया। पूर्णिया के विद्या विहार विद्यालय परिसर स्थित रमेश विजयलक्ष्मी मेमोरियल स्टेडियम में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट सीनियर मेंस क्रिकेट टूनार्मेंट के सीमांचल जोन के अंतर्गत अररिया और किशनगंज के बीच मुकाबला खेला गया। इस रोमांचक मैच में अररिया ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

किशनगंज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 50 ओवर में 254 रन बनाए। टीम की ओर से प्रशांत ने 88 रन और आकाश ने 73 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। अररिया के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की, जिसमें उत्तम ने 3 विकेट, अमन ने 2 विकेट और निसार सरवन ने 1 विकेट लिया। 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अररिया की टीम ने संतुलित बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। राजा के शानदार शतक, आदित्य के 52 रन और आदर्श के 40 रनों की मदद से अररिया ने 47.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। किशनगंज के गेंदबाज मोहम्मद इनाम ने 2 विकेट लिए, जबकि आकाश और दिव्यांश ने 1-1 विकेट लिया। शानदार बल्लेबाजी के लिए राजा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच के निर्णायक की भूमिका में सुनील कुमार सिंह (पटना) और अभय कुमार (भागलपुर) थे, जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी सचिन भारती और मनीष कुमार ने निभाई। पूरे मैच के दौरान पूर्णिया डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गौतम चौधरी और बीआरएल के कन्वेनर राजेश बैठा उपस्थित रहे और टूनार्मेंट के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिवहर ने मुजफ्फरपुर को 4 विकेट से हराया, कृष्णा बने मैन ऑफ द मैच

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी के जानकी स्टेडियम में बिहार क्रिकेट संघ के तत्वावधान और सीतामढ़ी जिला क्रिकेट संघ के संयोजन में आयोजित मिथिला जोन के सीनियर जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत मुजफ्फरपुर और शिवहर के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में शिवहर ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। शिवहर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुजफ्फरपुर की टीम 42.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 154 रन ही बना सकी। मुजफ्फरपुर की ओर से भारत ने 35 और आदित्य ने 24 रनों का योगदान दिया। शिवहर के गेंदबाज जहांगीर और कृष्णा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट हासिल किए, वहीं अतुल्य ने 2 और पुष्कल ने 1 विकेट झटका।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिवहर की टीम ने 41 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। शिवहर की ओर से कृष्णा ने 39 और संजय ने 49 रनों की अहम पारियां खेलीं, जिससे टीम को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिली। मुजफ्फरपुर की ओर से देवाशीष ने 4 और विशाल ने 2 विकेट हासिल किए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

इस शानदार प्रदर्शन के लिए शिवहर के कृष्णा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच के अंपायर वेद प्रकाश और आशुतोष थे, जबकि स्कोरर की भूमिका में रोहित मौजूद रहे। मुकाबले के दौरान सीतामढ़ी जिला क्रिकेट संघ के सचिव ज्ञान प्रकाश, सीईओ श्याम किशोर प्रसाद, पंकज कुमार सिंह और विवेक मिश्रा भी उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में अगला मुकाबला 6 मार्च 2025 को सीतामढ़ी और दरभंगा के बीच खेला जाएगा।

नवादा ने नालंदा को 6 विकेट से हराया, आदर्श बने मैन ऑफ द मैच

नालंदा। नालंदा के एकंगरसराय खेल मैदान में बिहार क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित मेंस सीनियर वनडे क्रिकेट टूनार्मेंट के तहत नालंदा और नवादा के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में नवादा ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर नवादा ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नालंदा की टीम ने 42.3 ओवर में 10 विकेट खोकर 264 रन बनाए। नालंदा की ओर से कुंदन ने 69 गेंदों में 68, सिद्धार्थ ने 83 गेंदों में 67, मुन्ना ने 32 गेंदों में 30, अर्णव किशोर ने 9 गेंदों में 24 और कुश ने 14 गेंदों में 20 रन का योगदान दिया। नवादा के गेंदबाज आदर्श ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 54 रन देकर 5 विकेट झटके। सागर ने 7 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट और यश ने 7 ओवर में 47 रन देकर 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवादा की टीम ने 44.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 267 रन बनाकर मैच जीत लिया। नवादा की ओर से सुमन ने नाबाद 82 रन (64 गेंद), निशित ने 74 गेंदों में 68 और दीपक ने 65 गेंदों में 61 रन बनाए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नवादा के आदर्श को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें कोच हैदर अली और परवेज मुस्तफा ने पुरस्कार प्रदान किया। इस मुकाबले के दौरान नालंदा जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, सचिव गोपाल सिंह, पूर्व सचिव सय्यद जावेद इकबाल, संतोष पांडेय, हैदर अली, परवेज मुस्तफा, दीपक कुमार, कुंदन, बिक्रम, क्षितिज, सफा रिजवी और सूरज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खगड़िया ने सहरसा को 4 विकेट से हराया, हर्षित आनंद बने मैन ऑफ द मैच

बेगूसराय। बेगूसराय के बरौनी फर्टिलाइजर मैदान पर बिहार क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित बीसीए सीनियर वनडे हेमन ट्रॉफी सेंट्रल जोन के मुकाबले में खगड़िया ने सहरसा को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर सहरसा के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले खेलते हुए सहरसा की टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 276 रन बनाए। सहरसा की ओर से अनिकेत ने 93 रन और अंकित ने 72 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। खगड़िया की ओर से गेंदबाजी में मो. अहमद ने 2 विकेट और भरत ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खगड़िया की टीम ने 45 ओवर में 6 विकेट खोकर 280 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। खगड़िया की ओर से हर्षित आनंद ने 117 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि राजा विशाल ने 31 रन बनाए। सहरसा की ओर से गेंदबाजी में अभिषेक ने 2 विकेट और साहिल राज ने 1 विकेट लिया। शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए खगड़िया के हर्षित आनंद को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

फनिश्वर नाथ रेणु को भारत रत्न देने की उठी मांग

पटना। प्रख्यात रचनाकार व बिहार में लोक साहित्य के अग्रणी लेखक फनिश्वर नाथ रेणु की जयंती पर रेणुजी को भारत रत्न देने की मांग उठी। राजधानी के विद्यापति भवन में अखिल भारतीय धानुक महासंघ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विधान पार्षद अनामिका सिंह पटेल ने यह मांग की। उन्होंने कहा कि फनिश्वर नाथ रेणु ने बिहार की ग्रामीण शैली को अपनी पुस्तकों में जगह देकर उसे लोगों की नजर में जागृत किया। मगर देश की तत्कालीन सरकार ने उनके साथ न्याय नहीं किया। अनामिका पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की कि फनिश्वर नाथ रेणु को भारत रत्न की उपाधि दी जाये। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधान पार्षद डॉ रणवीर नंदन ने कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु केवल एक साहित्यकार नहीं थे, बल्कि वे जनमानस के लेखक थे। उन्होंने ग्रामीण भारत की संवेदनाओं को अपनी रचनाओं के माध्यम से अमर कर दिया। उनकी कहानियाँ और उपन्यास आज भी हमें समाज

की सच्चाई से रूबरू कराते हैं और हमें अपनी संस्कृति और लोकजीवन की महत्ता को समझने का अवसर देते हैं।उनका साहित्य हमें बताता है कि सच्ची कला वही है, जो समाज का आईना बनकर उसकी पीड़ा, संघर्ष और सुंदरता को प्रकट कर सके। हिंदी साहित्य में उनका योगदान अमूल्य है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बना रहेगा।

फणीश्वर नाथ रेणु न केवल एक अद्वितीय कथाकार थे, बल्कि एक संवेदनशील समाजसेवी और स्वतंत्रता सेनानी भी थे। उनका जन्म 4 मार्च 1921 को बिहार के अररिया जिले के औराही हिंगना गाँव में हुआ। वे बचपन से ही समाज के शोषित, दलित और पिछड़े वर्गों के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया, बल्कि नेपाल के लोकतांत्रिक आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उनका व्यक्तित्व मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत था, जो उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप से झलकता है। फणीश्वर नाथ रेणु ने हिंदी साहित्य को आंचलिकता की पहचान दी। वे ग्रामीण भारत के जीवन, उसकी खुशबू, उसकी पीड़ा, उसके संघर्ष और उसकी सरलता को अपनी कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से पाठकों के सामने लाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धानुक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर पटेल ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि रेणुजी की जयंती में सभी समाज के लोग एकजुट होकर शामिल हो रेहे है। बिहार सरकार को उनके नाम पर पटना में स्मारक स्थापित करना चाहिए। इस मौके पर आगत अतिथियों का स्वागत तपेन्द्र सिंहा, संचालन विजय कुमार राय व धन्यवाद ज्ञापन जितेन्द्र पटेल ने किया। इस मौके पर किशोरी प्रसाद महतो, अरुण कुमार सिन्हा, पिंकी देवी, सीमा पअ ैल, शालिनी सिन्हा, सहित कई वकताओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रशासन और नागरिक मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं

जमुई,नवशक्ति , (प्रभाकर कुमार)। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जिला प्रशासन सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिले में जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए जिला पदाधिकारी के स्तर पर पहल किया गया है। जिसे लेकर मुख्य सचिव बिहार के निदेश के आलोक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई और जागरूकता फैलाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि में सड़क सुरक्षा सप्ताह का यह अभियान के द्वारा प्रशासन और नागरिक मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।यह पहल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।सड़क सुरक्षा की शपथ कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा की अहमियत को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें 'जिसमें हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने व सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने का वादा शामिल था। उन्होंने कहा कि बच्चों, युवाओं और बड़े-बुजुर्गों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना बेहद जरूरी है। इस बात पर जोर दिया कि छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं। यातायात पुलिस और अन्य विभाग मिलकर लोगों को हेलमेट पहनने, तेज गति से गाड़ी न चलाने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस बात पर भी जोर दिया कि यातायात नियमों का पालन न केवल हमारी सुरक्षा के लिए है,बल्कि समाज की बेहतरी के लिए भी अनिवार्य है।शपथ कार्यक्रम में सभी विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी व अन्य शामिल थे।

पंचमुखी हनुमान जी के 32वें वार्षिकोत्सव पर भव्य कार्यक्रम

पटना। गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी स्थित पंचमुखी हनुमान जी के 33वें वार्षिकोत्सव पर भव्य आयोजन किया गया। इस संबंध में गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद डॉ रणबीर नंदन ने बताया कि पंचमुखी हनुमान जी 33वें वार्षिकोत्सव पर ठाकुड़बारी प्रांगन में दो दिवसीय भव्य आयोजन हुआ और हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की गयी। इस मौके पर रविवार को हजारो महिलाओं कलश यात्रा निकालकर अभियान की शुरूआत की। बाद पूर्व विधान पार्षद डॉ रणबीर नंदन ने अखंड हुनमान चालीसा पाठ व सुंदर कांड पाठ का संकल्प किया। उन्हें पंचरूपी हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी सत्यप्रकाश पांडेय ने

संकल्प दिलाया। डॉ इस मौके पर ठाकुरबाड़ी परिसर में भजन संध्या व अनंत हनुमान चालिसा का पाठ हजारो की संख्या में भक्तो ने किया।

फिर मंगलवार वार को तीन बजे से 6 बजे तक सुंदर कांड पाठ तथा 6 बजे के बाद हनुमानजी की महाआरती तथा भोग प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर डॉ नंदन ने कहा कि हनुमान जी कलियुग के सबसे बड़े देवता है इनके समिरण मात्र से संकट दूर हो जाता है और मानव के शरीर से पीड़ा भी खत्म हो जाती है। हनुमान जी के पूजन से सभी बाधा दूर हो जाती है और धन धान्य की प्राप्ति होती है। इस मौके पर , विजय कुमार मिश्र, बाबा, ज्ञान प्रकाश पांडेय, अभिषेक वर्मा , मुकेश रंजन झा सहित हजारों भक्तों ने आयोजित भंडारे का प्रसाद,भोजन ग्रहण किया। लोग मौजूद रहे।

698 जुनियर रेजिडेंट के पद पर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है : नीरज कुमार सिंह

पटना , (संवाददाता)। बिहार विधान परिषद् में प्रो संजय कुमार सिंह के अल्प सूचित प्रश्न के उत्तर में प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि राज्य के क्रियाशील कुल 10 चिकित्सा महाविद्यालयों में प्राध्यापक के पद पर कुल -195 , सह प्राध्यापक के पद पर -377 , सहायक प्राध्यापक -385 शिक्षक कार्यरत हैं तथा सिनियर रेजिडेंट/ ट्यूटर के तीन वर्षीय टेन्योर पदों पर कुल 1321 चिकित्सको का पदस्थापन किया गया है।साथ ही कुल -698 जुनियर रेजिडेंट के पद पर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। प्राध्यापक एवं सह प्राध्यापक प्रोन्नति का पद हैं। राज्य के चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालो मे सहायक प्राध्यापक के रिक्त कुल -1711 पदों पर नियुक्ति हेतु अधियाचना माह अक्टूबर 2024 में बीपीएससी को भेजीं गयी है तथा विज्ञापन प्रकाशन करने हेतु विज्ञापन प्रारूप का विभाग जनवरी 2025 में सहमति प्रदान की जा चुकी है मेडिकल कॉलेज में विजिटिंग प्रोफेसरों की नियुक्ति का मामला विचाराधीन है। डॉ संजीव कुमार सिंह के अल्प सूचित प्रश्न के उत्तर में प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय खाद्य संरक्षा मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार कार्यरत खाद्य संरक्षा अधिकारीयों द्वारा राज्य में बिक्री किये जाने वाले फलों एवं सब्जियों का नियमित रूप से नमूना संग्रह कर संयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला अगमकुंआ पटना तथा भारतीय खाद्य संरक्षा मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित एनएबीएल मान्यता प्राप्त 08 खाद्य प्रयोगशाला में जांच कराई जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अबतक राज्य में कुल 183 फलों एवं सब्जियों के नमूने का जांच/ विश्लेषण कराया गया है। सभी मानक के अनुरूप पाया गया है। शशि यादव के अल्प सूचित प्रश्न के उत्तर में प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि फार्मासिस्ट के रिक्त 2473 पदों पर नियुक्ति हेतु अधियाचना बिहार तकनीकी सेवा आयोग पटना को भेजीं गयी है तथा विज्ञापन प्रारूप पर सहमति भी दी जा चुकी है। फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली के अनुसार नियुक्ति हेतु डिप्लोमा इन फामेर्सी में उत्तीर्ण तथा बिहार राज्य फामेर्सी काउंसिल में नियमित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं निबंधक के नहीं रहने से के कारण फार्मासिस्ट का निबंधन कार्य पिछले वर्ष से बाधित हुआ था।

रोजगारोन्मुखी, विकासोन्मुखी और महिलाओं के उत्थान को समर्पित है बिहार का बजट: हिमराज राम

पटना। जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता श्री हिमराज राम ने कहा बिहार बजट को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान की तीखी आलोचना की है। मीडिया में जारी बयान में उन्होंने तेजस्वी यादव की बजट को लेकर उनकी समझदारी पर सवाल उठाया और कहा कि नेता प्रतिपक्ष को बिहार का विकास दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में पेश बिहार के बजट में महिलाओं के उत्थान से संबंधित कई घोषणाएं की गई हैं। महिलाओं के लिए जिलों में पिंक बसों का परिचालन किया जाएगा जिसमें कि ड्राइवर ,कंडक्टर केवल महिलाएं ही होंगी साथ ही राज्य के प्रत्येक पंचायत में गरीब कन्याओं के विवाह हेतु राज्य सरकार के द्वारा कन्या विवाह मण्डप का निर्माण कराया जाएगा जिससे खासकर गरीब तबके की कन्याओं को इसका लाभ मिल सकेगा।

उन्होंने कहा कि पटना में महिला हाट की स्थापना की जाएगी वहीं राज्य के सभी शहरों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की स्थापना की जाएगी। किसानों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस बजट में अन्नदाताओं की बेहतरी के लिए भी कई घोषणाएं की गई हैं। फसल उत्पादों को संरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, बाजार समितियों का विस्तार एवं एमएसपी पर अरहर, उड़द, मूंग दालों की खरीदारी से किसानों की

आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि बजट में जिन 358 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज नहीं है उन प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापना की महत्वपूर्ण बात कही गई है। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि नौकरी और रोजगार पर सवाल उठाने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के संकल्पों को ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कि अपने सात निश्चय के तहत मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सरकार ने सरकारी नौकरी और रोजगार के मामले में देश भर में रिकॉर्ड कायम किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी और रोजगार के मामले पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सरकार पर सवाल उठाने से पहले तेजस्वी यादव को जरा अपने माता-पिता के शासनकाल के दौरान लोगों को मिले नौकरी और रोजगार के आंकड़े को भी पढ़ लेना चाहिए। उन्होंने तेजस्वी यादव से सवाल पूछते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के साल 1990 से लेकर 2005 तक के शासनकाल के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विभागों में कुल 19 हजार 538 नियुक्तियां की गई थी जबकि उस 15 सालों के दौरान मात्र 33 हजार 499 शिक्षकों का नियोजन हुआ था। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान राज्य में कोटिवार नियुक्तियां नहीं होती थी बल्कि नौकरियों की बोली लगती थी। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सरकार में सात निश्चय के तहत कुल 10 लाख सरकारी नौकरी के वादे में से अबतक 9 लाख 35 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम पूरा कर लिया गया है जबकि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले 10 लाख सरकारी नौकरी के वादे से अधिक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम पूरा कर लिया जाएगा। वहीं रोजगार की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 10 लाख रोजगार के वादे से अधिक अभी तक कुल 24 लोगों को रोजगार देने का काम पूरा कर लिया गया है जबकि चुनाव से पहले तक 34 लाख लोगों को रोजगार देने का काम पूरा कर लिया जाएगा। बजट में नौकरी और रोजगार की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस बजट में बड़े पैमाने पर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, सड़कों का निर्माण, उद्योग धंधों के विकास से संबंधित कई घोषणाएं की गई है जिससे राज्य में नौकरी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और बड़े पैमाने पर युवाओं को नौकरी और रोजगार मिल सकेगा।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अत: कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकर और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्प्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

बजट भाषण में झारखंड निमार्ता श्रद्धेय अटल जी का नाम नहीं लेना कुत्सित राजनीति का परिचायकः बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज सदन में राज्य बजट 2025.26 में चर्चा के दौरान राज्य सरकार पर खूब निशाना साधा। अपने सधे अंदाज में उन्होंने बजट को दिशाहीन अदूरदर्शी ,विकास विरोधी बताते हुए कहा कि राज्य सरकार बजट भाषण में भी राजनीति कर रही। कहा कि बजट भाषण में वित्तमंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा झारखंड निमार्ता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम नहीं लिया जाना सरकार की कुत्सित मानसिकता को उजागर करता है। कहा कि राज्य की जनता को सच्चाई पता है कि अलग झारखंड राज्य के सपने को किसने पूरा किया। आज सत्ता पक्ष में वही लोग बैठे हैं जिनका इतिहास झारखंड आंदोलन को बेचने ,खरीदने और बदनाम करने का रहा है। कभी अपने लाश पर अलग राज्य बनने की बात करने वाले आज झारखंड की सत्ता में बैठे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के मुख्यद्वार पर श्रद्धेय अटल जी की प्रतिमा लगी है,वे झारखंड की जनता के दिलों में बसते हैं,लेकिन वित्तमंत्री बड़े छोटे मन के निकले। उन्होंने कहा कि बजट का आकर देखने में बड़ा है लेकिन जनता तक इसकी राशि नहीं पहुंचती।सरकार का प्रबंधन विफल है। शिलान्यास के बाद भी पैसे के अभाव में संवेदक योजनाओं का काम शुरू नहीं कर पाते। पैसे का इंतजार करते करते समय निकल जाता है। कहा कि सरकार बजटीय प्रावधान केलिए कहां से पैसे लाएगी यह नहीं बता रही।गैर योजना मद में खर्च बढ़ाए गए हैं और योजना मद की राशि में भारी कटौती की गई है। अगर राज्य सरकार थोड़ी बहाली भी करती है तो गैर योजना मद में राशि और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में सरकार का राजस्व संग्रहण अबतक मात्र 58.82% है और उसमें भी केंद्रीय कर की हिस्सेदारी 28.35%है। इसी से समझा जा सकता है कि सरकार कितना विकास करना चाहती है। कहा कि राज्य सरकार लगातार जनता के बीच केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार और भ्रम फैलती है।जबकि मोदी सरकार सभी क्षेत्रों में झारखंड को भरपूर सहायता उपलब्ध कराती है। कहा कि राज्य सरकार काम नहीं करती यह तो जनता को समझ में आता है लेकिन केंद्र सरकार पर दोषारोपण जनता समझ नहीं पाती। कहा कि ऐसा लगता है झारखंड सरकार केंद्र सरकार को धन्यवाद नहीं देना चाहती या तो पदाधिकारी सरकार को सही जानकारी नहीं देते। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में यूपीए की मनमोहन सरकार से कई गुना ज्यादा पैसे राज्य को दिए हैं। मनमोहन सरकार ने 10 वर्षों में झारखंड को 56हजार 90करोड़ रुपए दिए थे जबकि 2014से 24तक मोदी सरकार ने झारखंड को 2लाख 26हजार 4सौ 44करोड़ रुपए दिए।केंद्रीय अनुदान के रूप में मनमोहन सरकार ने झारखंड को 28हजार 5सौ नौ रुपए दिए थे जबकि मोदी सरकार ने 1लाख 04हजार3 सौ 73 करोड़ रुपए के अनुदान विभिन्न मद केलिए दिए हैं जो 266% ज्यादा है। कहा कि रेलवे के क्षेत्र में मनमोहन सरकार ने 2009 से 14 के बीच झारखंड केलिए मात्र 4सौ 57करोड़ रुपए आवंटित किए थे जबकि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 7हजार 3सौ 09करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। कहा कि राज्य सरकार अपनी जिम्मेवारी से भाग रही।केवल लंबे चौड़े घोषणाओं से सरकार चलाना चाहती है। वास्तविकता यह है कि पिछले पांच सालों से राज्य में इंडी गठबंधन की सरकार है लेकिन राज्य की 41%आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताने को मजबूर है,राज्य की विधि व्यवस्था आज पूरी तरह ध्वस्त है। अस्पताल में दवाई नहीं, स्कूल में पढ़ाई नहीं। आज राज्य में 10हजार व्यक्ति पर 4डॉक्टर उपलब्ध हैं, हाई स्कूल में प्रधानाध्यापक के 2252 पद रिक्त हैं,विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 2200 और कर्मचारियों के 3320पद खाली हैं। केंद्रीय सहायता के बावजूद जलजीवन मिशन का कार्य अधूरा है ।आंकड़ों में मात्र 52.6% घरों तक यह सुविधा पहुंच सकी है।

हसरत सॉन्ग में नितेश तिवारी, कसीम हैदर कसीम और आयुषी तिवारी की दमदार भूमिका

पटना। जब प्रतिभाशाली व्यक्ति सहयोग करते हैं, तो अविश्वसनीय चीजें हो सकती हैं। इइ एंटरटेनमेंट के नए ट्रैक हसरत के साथ बिल्कुल यही हुआ। इस रोमांचक प्रोजेक्ट में गायक हरमन नाज़िम, संगीत निर्देशक सहजन शेख सागर और गीतकार कसीम हैदर कसीम सहित एक उल्लेखनीय टीम शामिल हुई। नितेश तिवारी ने इस प्रोजेक्ट का निर्देशन किया और गाने को जीवंत बनाने के लिए सहयोगी निर्देशक नीलेश तिवारी के साथ मिलकर काम किया। संगीत वीडियो में कसीम हैदर कसीम, आयुषी तिवारी और हरप्रीत कौर के प्रभावशाली प्रदर्शन हैं, जिन्होंने गाने के भावनात्मक सार को कैद किया है। उन्होंने वीडियो को शानदार एक्वामरीन विला में फिल्माया, जिसने एक खूबसूरत पृष्ठभूमि प्रदान की। हालांकि, एक बेहतरीन संगीत वीडियो केवल कलाकारों पर निर्भर नहीं करता है। ₹हसरत₹ को चमकाने में तकनीकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फोटोग्राफी के निर्देशक राहुल भार्गव और दूसरे डीओपी इमरान हुसैन ने मिलकर एक ऐसा वीडियो बनाया जो गाने के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। इसके अलावा, मेकअप आर्टिस्ट मुस्तकीम अली और अंजलि सिंह ने सुनिश्चित किया कि स्क्रीन पर हर कोई कमाल का दिखे।

पर्दे के पीछे, प्रोडक्शन क्रू ने सब कुछ सुचारू रूप से चलाने के लिए लगन से काम किया। कार्यकारी निमार्ता सैय्यद समीर हुसैन, लाइन प्रोड्यूसर नदीम शेख और निमार्ता एनके मूसवी सभी ने इस प्रोजेक्ट को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सारी मेहनत का नतीजा एक खूबसूरत म्यूजिक वीडियो के रूप में सामने आया, जिसमें शामिल सभी लोगों की प्रतिभा को दिखाया गया है। ₹हसरत₹ निश्चित रूप से संगीत प्रेमियों के लिए एक जरूरी गाना है और यह दशार्ता है कि जब रचनात्मक दिमाग कुछ असाधारण बनाने के लिए एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार खनन विभाग द्वारा जगेश्वर विहार थानांतर्गत छापामारी की गई

बोकारो। उपायुक्त के निदेर्शानुसार खनन विभाग द्वारा बोकारो जिला के जगेश्वर विहार थानांतर्गत मौजा दनिया के वन क्षेत्र पर छापामारी अभियान चलाया गया, जिसमें उक्त स्थल पर अवैध रूप से रेट होल माइनिंग कर कोयला खनिज के उत्खनन करने का साक्ष्य पाया गया, उक्त स्थल पर अवैध रूप से कोयला खनिज का उत्खनन के दरम्यान किए गए सुरंगों के मुहाने को जेसीबी के माध्यम से बंद किया गया।उक्त अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों पर जगेश्वर विहार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू , वनरक्षी अजीत कुमार मुर्मू, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र,वनरक्षी विकास कुमार महतो,तेनुघाट वन प्रक्षेत्र,स.अ.नि विशाल कुमार, जगेश्वर विहार थाना,वन सुरक्षा बल एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

झारखंड के ट्री मैन जगदीश महतो का निधन, वन सुरक्षा आंदोलन के एक युग का अंत

निर्मल महाराज/बोकारो (कसमार)। कसमार प्रखंड के हिसीम पहाड़ निवासी केंद्रीय वन-पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, पूर्व जिप सदस्य तथा ह्यट्रीमैनह्व के रूप में चर्चित वन आंदोलनकारी जगदीश महतो (65 वर्ष) का रविवार की अहले सुबह उनका हिसीम स्थित पैतृक आवास में निधन हो गया. वह पिछले कुछ महीनों से हार्ट, किडनी व शुगर की बीमारी से जूझ रहे थे. रांची के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था. इसी बीच रविवार की सुबह करीब चार बजे उन्होंने अंतिम सांस ली. वह अपने पीछे एक पुत्री व पत्नी छोड़ गये हैं. उनके निधन से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर है. अहले सुबह सोशल मीडिया में खबर फैलते ही अंतिम दर्शन करने वालों का तांता लग गया.उन्होंने 450 से अधिक वन सुरक्षा समितियों के गठन में अहम भूमिका निभायी थी. वह वन सुरक्षा आंदोलन के प्रतीक माने जाते थे।

संवेदक अमृत पार्क- फेज 5 को उपायुक्त ने भेजा नोटिस

निर्मल महाराज/बोकारो। 1 मार्च 2025 को शादी-सह-रिशेप्सन कार्यक्रम के दौरान अमृत पार्क (बोकारो समाहरणालय के समीप) में रात्रि 2 बजे तक तीव्र आवाज में डी० जे० के माध्यम से गाना बजाया जा रहा था, जो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के संबंध में पारित निर्देश का स्पष्ट उल्लंघन है। उपायुक्त ने जारी नोटिस में संवेदक को कहा है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट पिटिशन संख्या-72/1998, फोरम फार प्रिवेन्सन ऑफ इन्वायरमेंट एण्ड साउण्ड पोल्यूसन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य में दिये गए आदेश के आलोक में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक सार्वजनिक स्थल पर लाउडस्पीकर बजाना वर्जित है। ध्वनि प्रदूषण अधिनियम 1951 में दिये गये नियमों के अनुसार ध्वनि विस्तारक यंत्र की ध्वनि तीव्रता 60 डेसीबल से अधिक न होनी चाहिए।इसके बावजूद अमृत पार्क फेज 5 में तीव्र आवाज में डी०जी० के माध्यम से गाना बजाया जा रहा था, जो न केवल माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का अवमानना है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से आमजनों के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ किया जाना प्रतीत होता है। उपायुक्त ने संबंधित संवेदक अमरेन्द्र कुमार सिंह को निदेश दिया है कि 7 मार्च 2025 को अप०ः 5:30 बजे समाहरणालय स्थित उपायुक्त न्यायालय में अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे, अन्यथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के निमय 4(2), 7(1), 7(2), इ(1) तथा 8(2) के प्रावधानों का दृढ़तापूर्वक अनुपालन करते हुए आपके विरूद मेंटेनेंस ऑफ एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड इन रिस्पेक्ट ऑफ नौसेना पॉल्यूशन ₹ एक्ट के तहत दण्डनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

एसीबी ने घुस लेते मुखिया को किया गिरफ्तार

निर्मल महाराज/बोकारो। धनबाद की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) टीम ने बोकारो जिले के चंद्रपुरा प्रखंड के पोपलो पंचायत के मुखिया कार्तिक महतो को सरकारी योजना के एक लाभार्थी से 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। एसीबी के सहायक पुलिस अधीक्षक बिनोद कुमार ने मीडिया को बताया कि महतो ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत लाभार्थी के आवेदन की जियोटैगिंग प्रक्रिया के लिए शुरूआत में उससे 20,000 रुपये की मांग की थी।जब पंचायत के मुखिया की ओर से रिश्वत के बिना आगे काम बढ़ाने के बार-बार अनुरोधों को नजरअंदाज किया गया, तो लाभार्थी ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने सत्यापन किया और लाभार्थी से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये की पेशकश की। पूर्व नियोजित कार्रवाई के अनुसार, जब लाभार्थी ने 10,000 रुपये महतो को सौंपे, तो एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पंचायत प्रमुख को धनबाद लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है ।

दिलीप जायसवाल को भाजपा अध्यक्ष बनने पर किसान मोर्चा ने दिया बधाई

पटना , (संवाददाता)। पूर्व मंत्री दिलीप जायसवाल को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर किसान मोर्चा के प्रवक्ता रितेश सिंह ने बधाई देकर कहां की उनके बनने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। आगे उन्होंने कहां कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष सब की चिंता करते हैं और सब का ख्याल रखते हैं। संजय सरावगी राजस्व भूमि सुधार मंत्री, जीवेश मिश्रा एवं पांचो मंत्री को बधाई देते है ।

आदिवासी, मूलवासी, किसान और ग्रामीण विरोधी अबुआ सरकार की सोच बजट में दिखती हैः प्रतुल शाहदेव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अबुआ सरकार आदिवासी, मूलवासी, ग्रामीण और किसान विरोधी सोच वाली सरकार है। 2024 - 25 के बजट की तुलना में वर्तमान बजट में बड़ी कटौतियां की गई ।वर्ष 2025 - 26 के बजट में किसानों से जुड़े कृषि विभाग के बजट में 700 करोड़ रुपयों की बड़ी कटौती की गई। इसके अतिरिक्त मत्स्य , डेयरी विभागों में भी कटौतियां की गई। गरीबों को अन्न पहुंचने वाले खाद्य आपूर्ति विभाग में और स्वास्थ्य विभाग में की गई कटौती समझ से पड़े हैं। ऐसा लगता है शिक्षा भी सरकार के फोकस में नहीं है। तभी तकनीकी, उच्च ,सेकेंडरी और प्राथमिक शिक्षा के भी बजट को घटा दिया गया है।सरकार का फोकस उद्योगों पर भी नहीं है।इसलिए उद्योग विभाग के बजट में भी कटौती की गई है। प्रतुल ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण का ढोंग करने वाली सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण के बजट को भी घटा दिया। पहले से हर घर में नल से जल योजना में पीछे चल रही राज्य सरकार ने पेयजल स्वच्छता विभाग के बजट में 800 करोड़ की बड़ी कटौती कर दी। मूलभूत संरचना का विकास सरकार के फोकस में नहीं है। पथ निर्माण के विभाग के बजट में 200 करोड रुपए की कटौती की गई। ग्रामीण विकास के बजट में 2395 करोड़ की बड़ी कटौती दिखाता है कि सरकार गांव के आधारभूत संरचनाओं के विकास पर फोकस नहीं कर रही। इन विभागों से ही रोजगार मिलता है और जीएसडीपी बढ़ता है।गांव की बात छोड़िए नगर विकास के बजट में भी 1356 करोड़ की कटौती कर सरकार ने दिखा दिया कि वह गांव और शहर सबकी अनदेखी कर रही है।

प्रतुल ने कहा ऐसा बहुत कम होता है कि मुख्यमंत्री 45% बजट की कुल राशि अपने पास रख ले। यानी लगभग आधा बजट उनके पास है। इसका साफ संदेश है कि उन्हें अपने बाकी मंत्रियों पर भरोसा नहीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के मंत्रियों के कोटे में लगभग 70% बजट का हिस्सा गया है। सरकार में पिछलग्गू बन बैठी कांग्रेस को सिर्फ 26% बजट में हिस्सा मिला है।दअरसल यह महागठबंधन सरकार का बजट न होकर झामुमो का बजट प्रतीत होता है।

प्रतुल ने कहा कि कांग्रेस के प्रवक्ता का बजट पेश होने के पहले ही बजट की बारीकियां की जानकारी के मुद्दे पर सरकार खामोश है।जाहिर है सरकार बचाव कर रही है।ये संजोग नहीं हो सकता कि कांग्रेस के प्रवक्ता का बजट की बारीकी पर दिया गया बयान और बजट का वास्तविक आकार बिल्कुल समान निकला।

आसा पार्टी के पटना ग्रामीण कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

पटना , (संवाददाता)। आज पुनपुन (पटना ग्रामीण) में आप सबकी आवाज (राष्ट्रीय) पार्टी - आसा के कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह जी ने विधिवत रूप से कार्यालय का उद्घाटन किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने भाग लिया। उपस्थित जनसमूह ने पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करने का प्रण लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष राम चंद्र प्रसाद सिंह जी ने इस अवसर पर कहा कि ₹आसा पार्टी जनता की आवाज है और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाना और सुशासन की दिशा में मजबूत कदम उठाना है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, स्थानीय कार्यकताओं और समाज के प्रबुद्ध जनों ने पार्टी की नीतियों और उद्देश्यों पर चर्चा की। ₹आसा₹ पार्टी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और देशहित में कार्य करने के अपने संकल्प को दोहराती है।उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से पटना जिला पुनपुन में आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिंह जी के आवास में आसा पार्टी का कार्यालय का उद्घाटन करते हुए आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह जी। साथ में श्री रंजीत प्रभाकर जी, विशन कुमार बिट्टू जी, मुन्ना स्वामी जी, शंभू सिंह जी, प्रिंस पटेल जी, अमितेश पटेल, रोहन रॉक्स इत्यादि साथी गण शामिल हुए।

54 लाख की लागत से बनने वाले 6 योजनाओं का शिलान्यास किया केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने

रांची। वार्ड नंबर 34 गंगानगर साई सिटी में पीसीसी पथ, वार्ड नंबर 50 हेथु में शमशान सेड का निर्माण ,सरई टोला टाटी सिल्वे सामुदायिक भवन का निर्माण ,वार्ड संख्या 53 ब्रिज फोर्ड स्कूल के पास अटल कॉलोनी में पीसीसी पथ का शिलान्यास ,होटवासी शिवपुरी रोड नंबर 7 में पीसीसी पथका शिलान्यास होंटवासी रोड नंबर 4 में पीसीसी पथ

का आज शिलान्यास किया गया इस अवसर पर रांची के लोकप्रिय सांसद संजय सेठ ने कहा प्राथमिकता के आधार पर हर क्षेत्र का विकास किया जाएगा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से हम लोग सभी कार्य करते हैं और आगे भी निरंतर क्षेत्र का विकास किया जाएगा आज के इस अवसर पर आरती कुजूर विनोद सिंह अरुण झा राजू सिंह मनोज झा कमल किशोर झा गुड्डू साहू राजेंद्र महतो प्रमोद सिंह उमेश यादव रामजी प्रसाद अशोक मुंडा संजय सिंह राजू नायक अंकित सिंह विशेष रूप से सम्मिलित रहे।

06 मार्च से 13 मार्च तक प्रदेश भाजपा सभी जिलों में करेगी अटल विरासत सम्मेलनः आदित्य साहू

रांची। प्रदेश भाजपा द्वारा अटल जन्म शताब्दी के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 6 से 13 मार्च तक सभी सांगठनिक जिलों में अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन होगा। यह जानकारी अटल जन्मशताब्दी समारोह के प्रदेश संयोजक सांसद आदित्य साहू ने दी। श्री साहू ने बताया कि सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित विभिन्न सांगठनिक जिलों में प्रदेश के नेतागण शामिल होंगे। सम्मेलन में झारखंड निमार्ता अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संबोधन होगा ।साथ ही अटल जी के साथ जनसंघ एवं भाजपा में कार्य करने वाले वरिष्ठ कार्यकताओं,उनके परिवारजन ,आपातकाल में संघर्ष करने वाले कार्यकताओं का सम्मान भी किया जाएगा। बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 09 मार्च को कोडरमा में ,कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर रविंद्र कुमार राय देवघर में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ 08मार्च को गोड्डा में,पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा 13 मार्च को सरायकेला खरसावां में,,पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन 08 मार्च को रांची महानगर में,पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा 07 मार्च को सिमडेगा मे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी 10 मार्च को रांची ग्रामीण जिला में,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय 06 मार्च को लोहरदगा में, अभयकांत प्रसाद 08 मार्च को पाकुड़ में,पूर्व सांसद सुनील सिंह 08मार्च को पलामू में, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी 08मार्च को दुमका में सम्मेलन को संबोधित करेंगे। बताया कि 06 मार्च को पूर्व सांसद अजय मारू खूंटी में, 08मार्च को सांसद कालीचरण सिंह गढ़वा में,09 मार्च को बालमुकुंद सहाय धनबाद ग्रामीण जिला,श्याम नारायण दुबे लातेहार में,सुदर्शन भगत रामगढ़ में, सीपी सिंह धनबाद महानगर में 10 मार्च को अनंत ओझा जामताड़ा में, बिरांची नारायण पूर्वी सिंहभूम में,राज पलिवार हजारीबाग में,नारायण दास साहेबगंज में सम्मेलन को संबोधित करेंगे। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम पूर्व सांसद समीर उरांव पश्चिम सिंहभूम में सम्मेलन में शामिल होंगे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिले के 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

पूर्णिया। बच्चों में कृमि संक्रमण व्यक्तिगत अस्वच्छता तथा संक्रमित मिट्टी के संपर्क में आने से होता है। कृमि संक्रमण से बच्चों के पोषण स्तर एवं हेमोग्लोबिन स्तर पर गहरा दुष्प्रभाव पड़ता है जिससे बच्चों के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है। बच्चों को कृमि मुक्त करने हेतु पूर्णिया जिले में 04 मार्च को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत जिले के 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को कृमि नाशक दवा का सेवन कराया गया। मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया और पूर्णिया पूर्व प्रखंड बीडीओ अमित आनंद द्वारा पूर्णिया पूर्व प्रखंड के मध्य विद्यालय प्रखंड मुख्यालय पूर्णिया पूर्व में राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान पूर्णिया पूर्व प्रखंड के बीडीओ अमित आनंद और पूर्णिया सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया द्वारा विद्यालय में उपस्थित बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान पूर्णिया पूर्व प्रखंड के बीडीओ अमित आनंद ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर पूरे जिले में 0 से 19 वर्ष के बच्चों को कृमि से सुरक्षित रखने के लिए स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में एल्बेंडाजोल की गोली का सेवन कराया जा रहा है। इसका सेवन करने से बच्चे भविष्य में कृमि ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकेंगे। मंगलवार को दवा सेवन से वंचित बच्चों को दवा सेवन कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मॉपअप राउंड चलाकर अन्य बच्चों को दवा सेवन कराना सुनिश्चित कराया जाएगा जिससे बच्चे कृमि ग्रसित होने से सुरक्षित रह सके। इस दौरान डीसीएम संजय कुमार दिनकर, डीपीसी डॉ सुधांशु शेखर, पूर्णिया पूर्व प्रखंड के प्रभारी चिकित्सिका पदाधिकारी डॉ शरद कुमार, बीएचएम विभव कुमार, बीसीएम बरखा रानी, विद्यालय प्रधानाध्यापक और अन्य स्वास्थ्य कर्मी, विद्यालय शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोली उम्र के अनुसार निर्धारित खुराक में खिलाई जा रही है। कार्यक्रम के तहत पूर्णिया जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, मदरसा, संस्कृत विद्यालय सहित सभी तकनीकी संस्थाओं (पॉलटेक्टिक, आईटीआई आदि), गैर तकनीकी संस्थाओं एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई है। इसके लिए सभी संस्थाओं को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल उपलब्ध कराई गई है। सभी संस्थाओं में शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा उनकी उपस्थिति में ही 01-19 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई है। किसी भी परिस्थिति में बच्चे अथवा उनके अभिभावकों को दवाई बाद में खाने या घर ले जाने हेतु नहीं दिया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि पूर्णिया जिले में राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस पर जिले के 20 लाख से अधिक बच्चों को दवाई खिलाने के लक्ष्य रखा है।

डीसीएम संजय कुमार दिनकर ने बताया कि 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के ऐसे बच्चे जिन्हें सर्दी, खांसी, बुखार, सांस लेने के तकलीफ या कोई और बीमारी के लक्षण होंगे उन्हें कृमिनाशक दवा का सेवन नहीं कराया जाना है। पूर्व से भी किसी प्रकार के दवा का सेवन करने वाले बच्चों को भी दवा सेवन नहीं कराया जा रहा है। दवा सेवन करने वाले बच्चों को दवा लेने से पहले साबुन या हैंडवाश से हाथों की सफाई करने के बाद दवा सेवन करना है। 01 से 02 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली चुरा बनाकर पानी में मिलाकर खिलाया जाना है। 02 वर्ष से 03 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की एक गोली चुरा बनाकर पानी में मिलाकर खिलाया जाएगा। 03 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को एल्बेंडाजोल की एक गोली चबाकर पानी के साथ खिलाया जा रहा है। बिना चुरा किए चबाकर खाए गए एल्बेंडाजोल की गोली का प्रभाव ज्यादा होता है। पूर्णिया पूर्व प्रखंड के प्रभारी चिकित्सिका पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने कहा कि सभी बच्चों को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपस्थित शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं की उपस्थिति में दवा का सेवन कराई गई है।